भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2005
उत्तर दिनांक 11/02/2026 को दिया गया

प्रोटॉन बीम थेरेपी

2005. श्री देवेश शाक्य

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि प्रोटॉन बीम थेरेपी नामक कैंसर उपचार की एक उन्नत एवं अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी तकनीक वर्तमान में देश में केवल चेन्नई एवं मुम्बई स्थित कुछ ही चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध है, जबकि राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख तृतीयक स्वास्थ्य संस्थानों, जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में यह सुविधा अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके तकनीकी, वित्तीय अथवा संस्थागत कारण क्या हैं;

(ग) क्या सरकार का इस उच्च लागत वाली प्रोटॉन बीम थेरेपी तकनीक को स्वदेशी रूप से विकसित करने हेतु भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग कर इसे एम्स तथा अन्य सरकारी चिकित्सा संस्थानों में सुलभ कराने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हाँ, तो इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है तथा क्या इसके कार्यान्वयन हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (घ) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) ने नवी मुंबई में स्थित कैंसर के उपचार, अनुसंधान और शिक्षा का प्रगत उन्नत केंद्र (एक्ट्रेक) (टीएमसी की संघटक इकाई) में 468.00 करोड़ रुपए की लागत से प्रोटॉन किरण पुंज चिकित्सा सुविधा स्थापित की है। यह सुविधा अत्याधुनिक पेंसिल बीम स्कैनिंग (पीबीएस) और तीव्रता मॉडुलित प्रोटॉन चिकित्सा (आईएमपीटी) तकनीक से युक्त है, जिसमें तीन 360-डिग्री घूर्णन गैंट्री और रोबोटिक रोगी स्थिति प्रणाली शामिल हैं। यह सुविधा दिनांक 11 मई, 2023 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई है और तब से यह अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही है। टीएमसी ने दिनांक 31 दिसंबर, 2025 तक 748 रोगियों को उपचार प्रदान किया है।

*****